10 फीसदी होगी कृषि विकास दर

मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया दावा, रेशिमबाग मैदान में एग्रोविजन राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन

नागपुर। 11 नवंबर। लोस सेवा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि देश में विविध राज्यों की कृषि उपज खासतौर पर कपास और सोयाबीन के लिहाज से महाराष्ट्र अंतिम पांच में शामिल है. हालांकि महाराष्ट्र की कृषि विकास दर शून्य से 16 फीसदी कम है.

कृषि क्षेत्र को इस निगेटिव प्रोथ रेट से उबारने के लिए सरकार विविध योजनाएं चला रही है. चूंकि, इस बार रबी फसल का रकबा बढ़ा है. बारिश अच्छी होने और जलयुक्त शिवार से पानी की कमी नहीं होने से अच्छी फसल होने की भी उम्मीद है. इससे कृषि विकास दर शून्य के आंकड़े को पार करते हुए 8 से 10 प्रतिशत तक होने की उम्मीद है. मुख्यमंत्री फडणवीस रेशिमबाग में आज से शुरू हुई राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी 'एग्रोविजन' के उद्घाटन अवसर पर बतौर उद्घाटक बोल रहे थे.

उद्घाटन समारोह में एग्रोविजन के मुख्य प्रवर्तक एवं केंद्रीय भूतल परिवहन, राजमार्ग एवं जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी, राज्य के वित्तमंत्री सुधीर मुनगंटीवार, ऊर्जा एवं उत्पाद शुल्क मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, कृषि मंत्री पांडुरंग फुंडकर, पशुसंवर्धन, दुग्ध विकास, मत्स्य व्यवसाय मंत्री महादेवराव जानकर, असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा, हरियाणा के कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनकड़, महापौर प्रवीण दटके, सांसद अजय संचेती, सांसद डॉ. विकास महात्मे, सांसद कृपाल तुमाने, सांसद संजय धोत्रे, आईटीसी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव पुरी, महिन्द्रा राइज (फार्म विभाग) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीश चव्हाण, विधायक अनिल सोले, डॉ. मिलिंद माने, जिला परिषद की अध्यक्ष निशा सावरकर, वेद के अध्यक्ष देवेंद्र पारेख, विभागीय आयुक्त अनूप कुमार, एग्रोविजन सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. सी.डी. मायी, संयोजक गिरीश गांधी, आयोजन सचिव रवि बोरटकर, अशोक धोटे, आनंदराव राऊत, रवींद्र दुरुगकर आदि मंच पर उपस्थित थे.

इस दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में कृषि लागत कम कर उत्पादकता बढ़ाने की आवश्यकता है. कम उत्पादकता के कारण किसानों को उचित गारंटी मूल्य नहीं मिल पा रहा है.

उन्होंने कहा कि 50 हजार एकड़ जमीन पर ऑर्गेनिक फार्मिंग हो, इसके लिए बेहतर किस्मों को तैयार किया जा रहा है. जीरो बजट खेती के प्रोजेक्ट्स भी कुछ लोगों ने लाए हैं. इनका खर्च कम और उत्पादकता अधिक है. मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतीबाड़ी को अज्ञान के बजाए वैज्ञानिक दृष्टि से करने पर ही किसानों की स्थिति सुधर सकती है.

इस मौके पर आईटीसी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव पुरी ने एग्रोविजन प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए कहा कि आईटीसी का कृषि/खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से गहरा और पुराना नाता रहा है. भारत सरकार/राज्य सरकार भी इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान देकर नीतियां बना रही है. कृषि क्षेत्र के सामने गंभीर चुनौतियां हैं तो अवसर भी कम नहीं है. इसका लाभ लेने के लिए किसानों को आगे आना होगा. प्रास्ताविक भाषण एग्रोविजन के आयोजन सचिव रवि बोरटकर ने दिया. संचालन श्वेता शेलगांवकर और आभार प्रदर्शन रमेश मानकर ने किया.

एग्रोविजन प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, राज्य में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, सुधीर मुनगंटीवार, पांडुरंग फुंडकर, महादेवराव जानकर, सांसदगण व अन्य अतिथि. छाया : मुकेश कुकड़े.

राज्य के किसानों के लिए ड्रिप इरिगेशन की नई स्कीम शीघ्र

मुख्यमंत्री फडणवीस ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सुझाव का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के लिए नई ड्रिप इरिगेशन स्कीम लाने जा रही है. इसके लिए 16 कंपनियां आगे आई हैं. इस स्कीम के तहत किसानों और कंपनियों को ब्याज में क्रमशः 25-25 फीसदी की रियायत दी जाएगी. सरकार ने राज्य के इतिहास में सर्वाधिक यानी 25 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान कृषि क्षेत्र के लिए किया है. सरकार अगले तीन साल में राज्य में दूध का उत्पादन दोगुना करने के प्रति कटिबद्ध है. इससे उम्मीद है कि अगले पांच सालों में राज्य के कृषि क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा.

किसानों को तीन गुना अधिक कृषि पंप कनेक्शन

मुख्यमंत्री फडणवीस ने विदर्भ, मराठवाड़ा में लाए जा रहे इंटिग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क का जिक्र करते हुए कहा कि विदर्भ और मराठवाड़ा के किसानों को तीन गुना अधिक कृषि पंप कनेक्शन दिए गए हैं. 16 हजार सोलर पंप दिए गए हैं. एग्रीकल्चर फीडर को सोलर आधारित करने जा रहे हैं. इसके जरिए चार हजार मेगावॉट बिजली किसानों को दिन में 12 घंटे दी जा सकेगी. यह पायलट प्रोजेक्ट आगे चलकर बड़े स्तर पर चलाया जाएगा.

नई तकनीक अपनाने पर कृषि क्षेत्र की प्रगति संभव

एग्रोविजन के मुख्य प्रवर्तक और केंद्रीय भूतल परिवहन, राजमार्ग एवं जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि नई तकनीक, प्रयोग के दम पर कृषि क्षेत्र की प्रगति संभव है. इसके लिए किसानों को उत्पादन बढ़ाने और कृषि लागत कम करने के सूत्र को अपनाना होगा. इसके लिए एग्रोविजन का स्थायी कार्यालय खोलकर भी सालभर किसानों का कृषि संबंधी नई तकनीक, प्रयोग के प्रति मार्गदर्शन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि आज विदर्भ के किसानों की हालत सुधर रही है. यहां भी गन्ने की पैदावार बढ़ने लगी है. धान किसानों की सिंचाई समस्या का हल राज्य सरकार ने जलयुक्त शिवार अभियान के जरिए निकाल लिया है. किसानों को अब तक कुल 2 लाख 11648 कृषि पंप कनेक्शन दिए जा चुके हैं. इससे 50 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को लाभ होगा. उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से ड्रिप इरिगेशन स्कीम संबंधी किसानों की परेशानियों को दूर करने और विदर्भ, मराठवाड़ा में अगले तीन साल में दूध का उत्पादन दोगुना करने का अनुरोध किया. साथ ही कहा कि आईटीसी की मदद से गढ़चिरोली में बांबू से अगरबत्ती की लकड़ी तैयार की जाएगी. जैन इरिगेशन ने खाजीत की तकनीक अपनाकर संतरे की नई किस्म तैयार की है. यह संतरा मीठा है और इसकी विदेशों में मांग निकल रही है. योगगुरु रामदेवबाबा का भी मिहान में 5 हजार करोड़ रुपए के निवेश से पतंजलि पार्क आ रहा है. यहां आयुर्वेदिक वनस्पति, शहद आदि की काफी मांग रहेगी. इसकी आपूर्ति कर विदर्भ के किसान लाभान्वित हो सकते हैं. कोयले से मिथेनॉल बनाकर विदर्भ की अर्थव्यवस्था बदल सकती है. भद्रावती में भी कोयले से यूरिया बनाने का प्लांट आने जा रहा है. विदर्भ, मराठवाड़ा के कृषि क्षेत्र का विकास कर किसान आत्महत्या पर रोक लगाने के उद्देश्य को लेकर ही एग्रोविजन प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है. यह इसका आठवां वर्ष है. इसमें देशभर के किसान भी आने लगे हैं. इसका लाभ लेने की अपील उन्होंने किसानों से की.